



DC
EDUCATION SINCE 1870

डेली कॉलेज, जूनियर स्कूल

हिंदी सामूहिक कविता पाठ - 2018-19

उठो धरा के अमर सपूतों

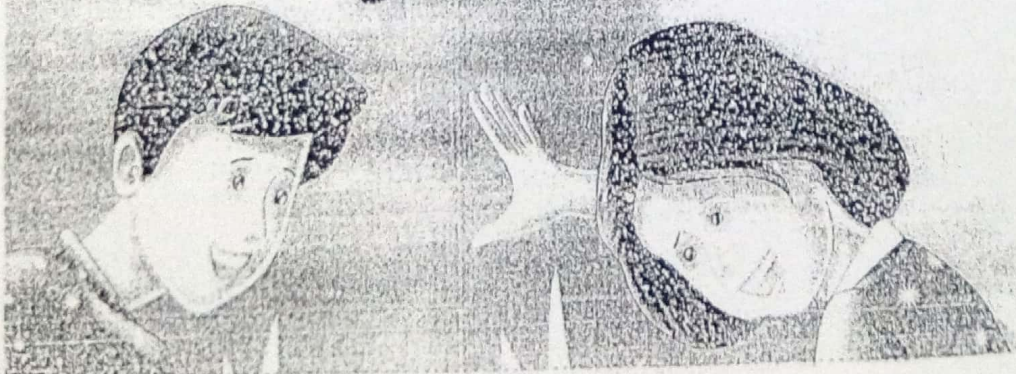
VIB

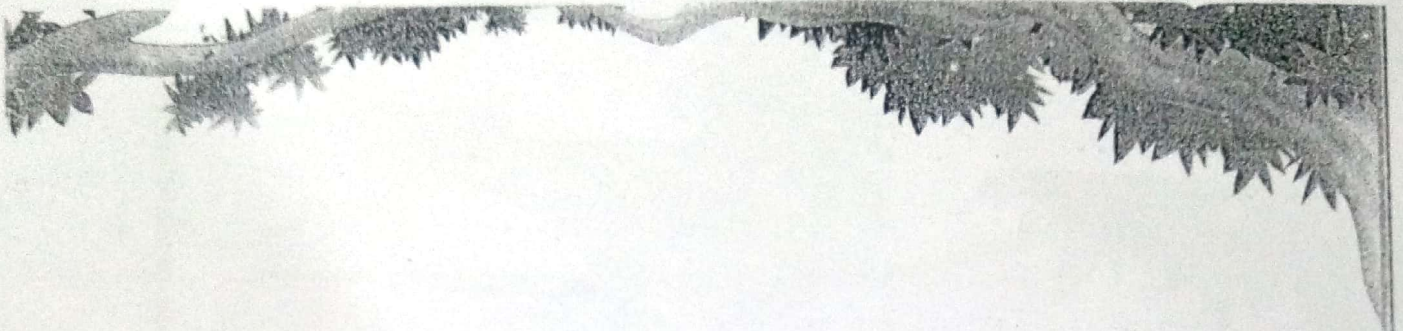
उठो धरा के अमर सपूतों,
पुनः नया निर्माण करो।
जन-जन के जीवन में फिर से,
नव स्फूर्ति नव प्राण भरों।

नया प्राण है, नई बात है,
नई चिन्तन है, ज्योति नई।
नई उमंगें, नई तरंगें,
नई आरा है, साँस नई।
युग-युग के गुरुओं सुमनों में
नई-नई मुखर्तों भरों।

उठो धरा के अमर सपूतों,
पुनः नया निर्माण करो।

डाल-डाल पर बैठ किशोर कुल,
नए स्वरो में गाते हैं।
गुन-गुन, गुन-गुन करते भौरे,
मस्त उधर मंडराते हैं।
नवयुग की नूतन वीणा में,
नया राग, नव गान भरों।





उठो धरा के अमर सपूतों,
पुनः नया निर्माण करो।

कली-कली खिल रही इधर,
वह फूल-फूल मुस्काया है।
धरती माँ की आज हो रही,
नई सुनहरी काया " है।
नूतन मंगलमय " ध्वनियों से,
गुंजित " जग उद्गान " करो।

उठो धरा के अमर सपूतों,
पुनः नया निर्माण करो।

सरस्वती का " धाम " मंदिर,
शुभ सम्पत्ति " तुम्हारी है।
तुम में से हर बालक इसका,
रक्षक और पुजारी है।
शत्-शत् दीपक जला ज्ञान के,
नवयुग का आह्वान " करो।

उठो धरा के अमर सपूतों,
पुनः नया निर्माण करो।

- द्वारिका प्रसाद माहेश्वरी